अमर उजाला
Date: 02/06/2017

सिविल सेवा में चुने गए होनहारों ने बढ़ाया मान

यूपीएससी की अखिल भारतीय प्रशासनिक सेवा परीक्षा-2016

विकसित भारत के लिए देंगे अपना योगदान

सर्वज्ञ मिश्रा | **रैंक : 159वीं**

भारत विकासशील देश से अब विकसित देश की ओर बढ़ रहा है। इसके लिए हर क्षेत्र में नए-नए प्रयोग हो रहे हैं और तेजी से बदलाव हो रहा है। टेक्नोलॉजी भी बदल रही है। देश को विकसित बनाने में अपना योगदान देने के लिए सर्वज्ञ मिश्रा ने सिविल सेवा के क्षेत्र में आने की सोची। बीबीडी से बीटेक किया और चार साल दिल्ली की आईटी कंपनी में नौकरी की। इसके बाद 2013 में पारिवारिक काम से लखनऊ लौटे और प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी शुरू कर दी। पहले मौके में पीसीएस में चयन हुआ और सेल्स टैक्स में असिस्टेंट कमिश्नर बन गए। आईएएस का यह तीसरा प्रयास था। मैंने किताबें कम ली और करेंट अफेयर्स की पढ़ाई ऑनलाइन ही की। शाम को ही पढ़ाई का समय मिलता था। सर्वज्ञ के पिता स्व. वीरभद्र मिश्रा, लखनऊ विवि में संस्कृत के प्रोफेसर थे और मां अनीता मिश्रा गृहिणी हैं। 2015 में बहन संस्कृता मिश्रा भी पीसीएस बनी। उन्होंने कहा कि मैंने भाई सुविज्ञ मिश्रा के साथ तैयारी की। घर परिवार के लोगों के सहयोग से ही सफलता मिली। उन्होंने बताया कि बचपन से ही घर में संस्कृत का माहौल है। मैंने साहित्य पढ़ रखा था और व्याकरण पिता जी ने तैयार कराया था। इसलिए आईएएस में संस्कृत विषय लिया। इसकी तरफ रुझान कम हो रहा है। मेरा इससे भावनात्मक लगाव है। तैयारी में राइटिंग स्किल और वाक्य बनाने की आदत होनी चाहिए।

टिप्स : किताबी पढ़ाई से अलग करेंट अफेयर्स और लिखने की क्षमता विकसित करें।